Under CSR Support by ipca | Foundation

Under CSR Support by ipca | Foundation missiongyan

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

ARJUN BATCH

कक्षा-11 | इतिहास

आधुनिकीकरण के रास्ते

mg



अध्याय-7 | भाग-1

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

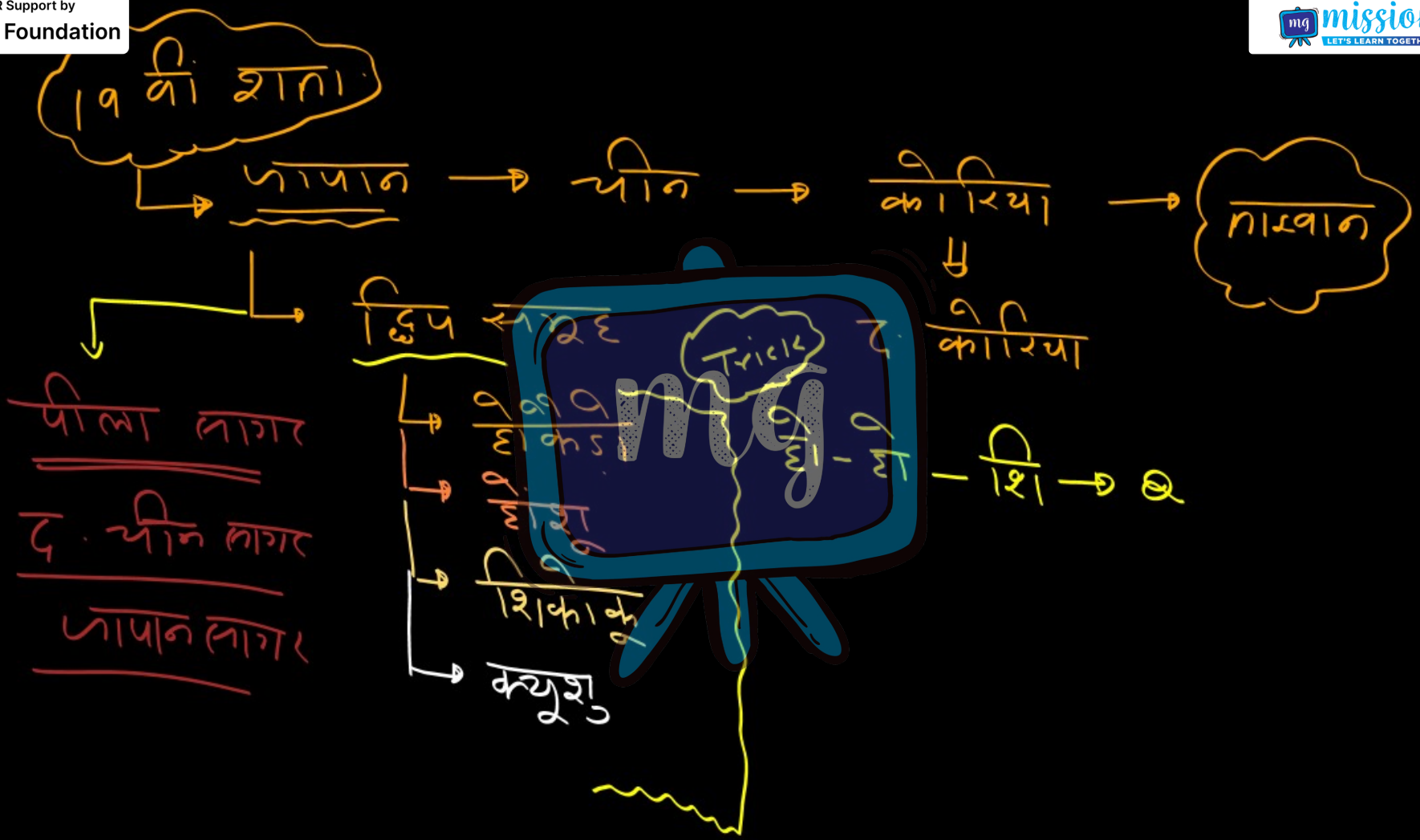
आज क्या पढ़ेंगे ?



1. जापान का आधुनिकीकरण का सफ़र
2. राजनीतिक व्यवस्था

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जापान का आधुनिकीकरण का सफ़र

- जापान एक द्वीप श्रृंखला है जिसमें चार सबसे बड़े द्वीप हैं-
  - होंशू
  - क्यूशू
  - शिकोकू
  - होकाइदो

Under CSR Support by
ipca | Foundation

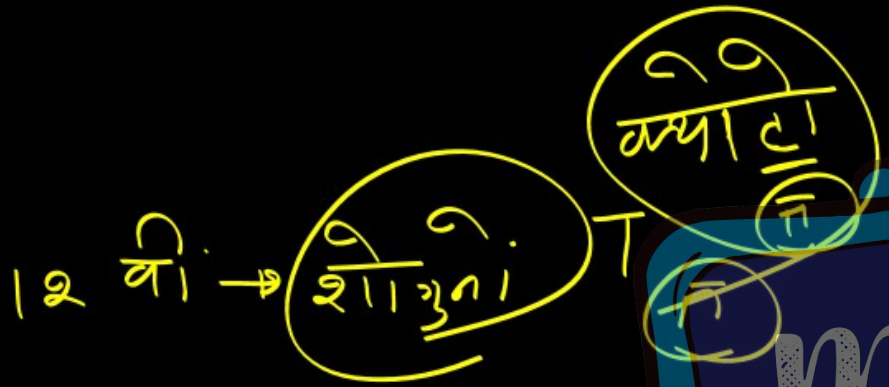
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- जापान में कुछ आयनू अल्पसंख्यक व कोरिया के लोग रहते हैं।
- जापान में पशुपालन की परंपरा नहीं है।
- चावल बुनियादी फसल है।
- मछली प्रोटीन का मुख्य स्रोत (साशिमी या सूशी)।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



राजनीतिक व्यवस्था

- जापान पर क्योतो के सम्राट का शासन हुआ करता था।
- बारहवीं सदी तक असली सत्ता शोगुनों के हाथ में आ गई।
- 1603 से 1867 तक तोकुगावा परिवार के लोग शोगुनपद पर कायम थे।
- देश का शासन दैम्यो चलाते थे।
- शोगुन दैम्यो पर नियंत्रण रखते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

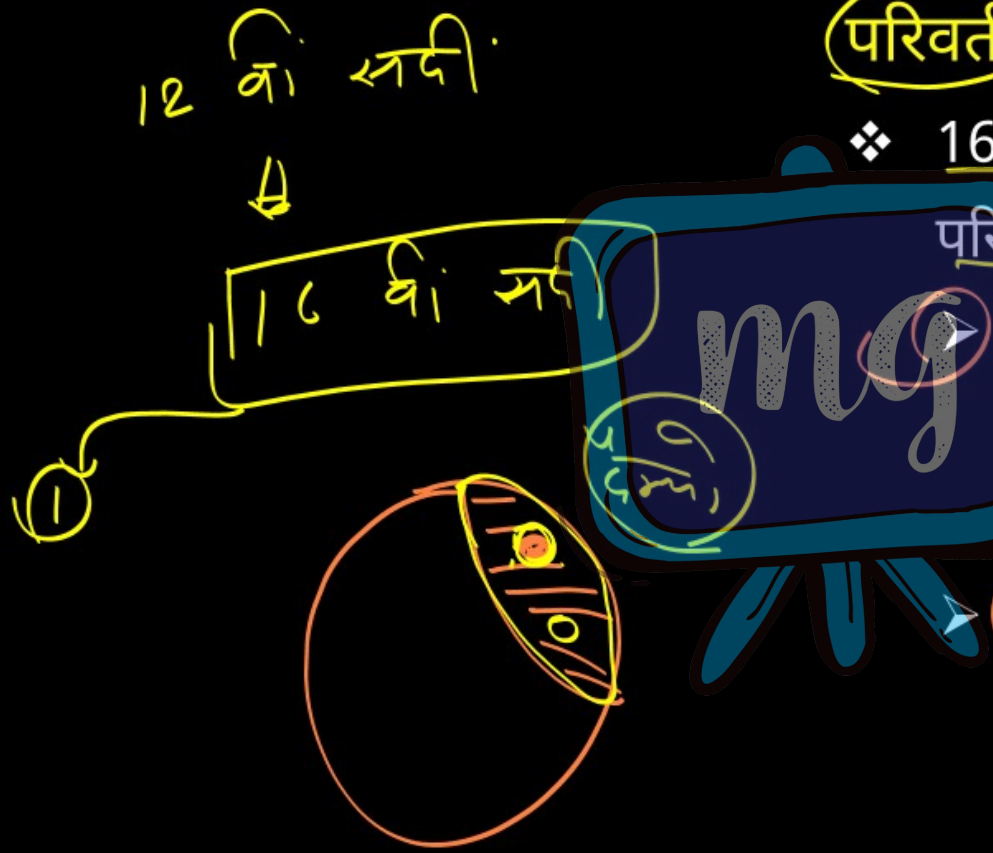
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- शोगुन दैम्यो को राजधानी एदो (आधुनिक तोक्यो) में रहने का आदेश देते थे।
- शोगुन प्रमुख शहरों और खदानों पर भी नियंत्रण रखते थे।
- सामुराई (योद्धा वर्ग) शासन करने वाले कुलीन थे।
- वे शोगुन तथा दैम्यो की सेवा में थे।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

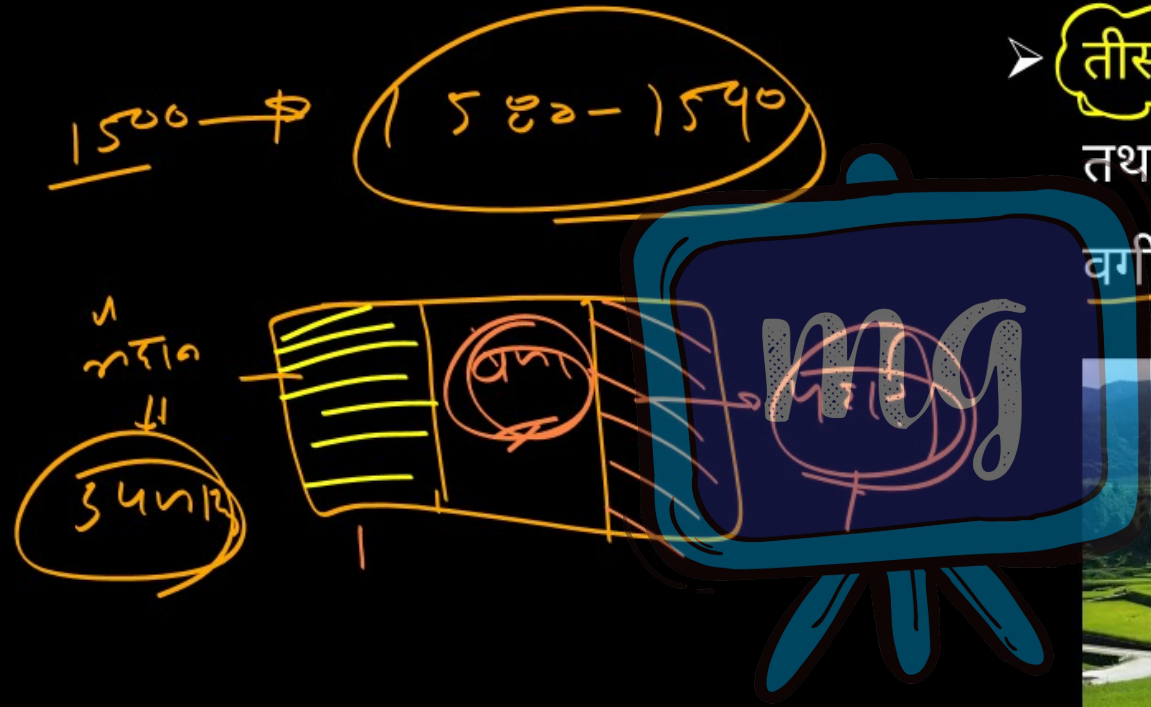


परिवर्तन और विकास की तैयारी

- 16वीं शताब्दी के अंतिम भाग में तीन परिवर्तनों ने आगे के विकास की तैयारी की।
- पहला, किसानों से हथियार ले लिए गए, और अब केवल सामुराई तलवार रख सकते थे।
- दूसरा, दैम्यो को अपने क्षेत्रों की राजधानियों में रहने के आदेश दिए गए और उन्हें काफ़ी हद तक स्वायत्तता प्रदान की गई।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- तीसरा ज़मीन का सर्वेक्षण किया गया तथा उत्पादकता के आधार पर भूमि का वर्गीकरण किया गया।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

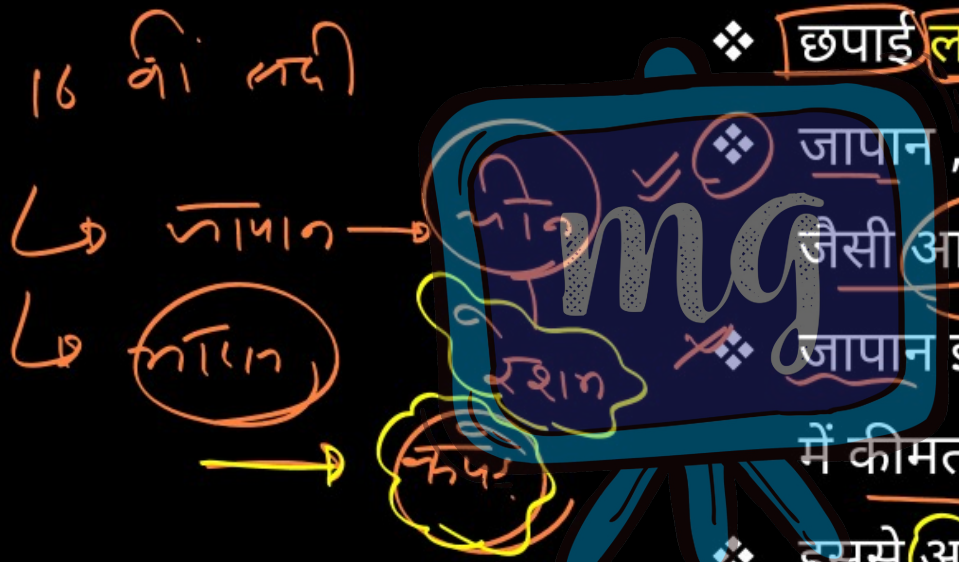
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- एदो, ओसाका और क्योतो बड़े शहरों के रूप में उभरे।
- इससे वाणिज्यिक अर्थव्यवस्था का विकास हुआ।
- वित्त और ऋण की प्रणालियाँ स्थापित हुई।
- शहरों में तेज़ी से बढ़ते व्यापारी वर्ग ने नाटक और कलाओं को प्रोत्साहन दिया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- छपाई का कार्य अच्छे स्तर पर होता था।
- छपाई लकड़ी के ब्लॉकों से की जाती थी।
- जापान , चीन से रेशम और भारत से कपड़ा जैसी आयात करता था।
- जापान इन आयातों के लिए चाँदी और सोने में कीमत अदा करता था।
- इससे अर्थव्यवस्था पर भार पड़ा।
- जिसकी वजह से तोकुगावा ने कीमती धातुओं के निर्यात पर रोक लगा दी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- क्योतो के निशिजिन में रेशम उद्योग के विकास के लिए भी कदम उठाये गए।
- निशिजिन का रेशम दुनिया भर में बेहतरीन रेशम माना जाने लगा।



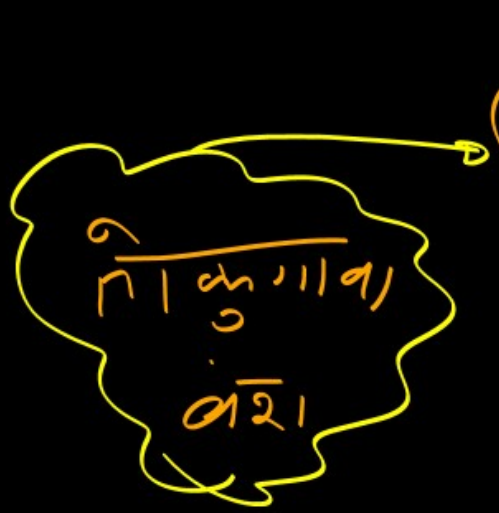
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- 1713 में केवल देशी धागा इस्तेमाल करने के आदेश जारी किए गए।
- 1859 में विदेशी व्यापार की शुरुआत होने पर जापान से रेशम का निर्यात अर्थव्यवस्था के लिए मुनाफ़े का प्रमुख स्रोत बन गया।
- मुद्रा का इस्तेमाल बढ़ा और चावल के शेयर बाज़ार का भी निर्माण हुआ।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



मेजी पुनर्स्थापना

- 1867-68 में मेजी वंश के नेतृत्व में तोकुगावा वंश का शासन समाप्त किया गया।
- 1853 में अमरीका ने कॉमोडोर मैथ्यू पेरी को जापानी सरकार के के पास भेजा।
- इसे एक ऐसे समझौते पर हस्ताक्षर करने करवाने के लिए भेजा जिसके तहत जापान और अमरीका के बिच राजनयिक और व्यापारिक संबंध बने।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- जापान चीन के रास्ते में था और अमरीका चीन में एक बड़ा बाज़ार देखता था।
- इसके अलावा अमरीका को प्रशांत महासागर में अपने बेड़ों के लिए ईंधन लेने की जगह चाहिए थी।
- उस समय जापान के साथ केवल एक ही पश्चिमी देश हॉलैंड व्यापार करता था।
- पेरी के आगमन ने जापानी राजनीति पर महत्त्वपूर्ण असर डाला।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- सम्राट की अहमियत बढ़ गई, जिसे तब तक बहुत कम राजनैतिक सत्ता मिली हुई थी।
- 1868 में शोगुन को सत्ता से हटा कर सम्राट मेजी को एदो लाया गया।
- एदो को राजधानी बना दिया गया।
- इसका नया नाम तोक्यो रखा गया,जिसका मतलब है, 'पूर्वी राजधानी'।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- सरकार ने फुकोकु क्योहे (समृद्ध देश, मज़बूत सेना) के नारे के साथ नयी नीति का ऐलान किया।
- जनता के बीच राष्ट्र की भावना का निर्माण किया गया।
- 'सम्राट-व्यवस्था' के पुनर्निर्माण का काम शुरू किया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- **सम्राट व्यवस्था** - एक ऐसी व्यवस्था जिसमें सम्राट, नौकरशाही और सेना इकट्ठे सत्ता चलाते थे और नौकरशाही व सेना सम्राट के प्रति उत्तरदायी होते थे।
- सम्राट को सूर्य देवी का वंशज माना गया ।
- सम्राट को पश्चिमीकरण का नेता भी बनाया गया।
- सम्राट का जन्मदिन राष्ट्रीय छुट्टी का दिन बन गया ।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- वह पश्चिमी अंदाज़ के सैनिक कपड़े पहनने लगा।
- 1870 के दशक से नयी विद्यालय-व्यवस्था का निर्माण शुरू हुआ।
- 1890 की शिक्षा संबंधी राजाज्ञा ने लोगों को पढ़ने, जनता के सार्वजनिक एवं साझे हितों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया।
- लड़के और लड़कियों के लिए स्कूल जाना अनिवार्य हो गया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- पाठ्यचर्या पश्चिमी नमूनों पर आधारित थी।
- कालांतर में राज्य के प्रति निष्ठा और जापानी इतिहास के अध्ययन पर बल दिया जाने लगा।
- नैतिक संस्कृति का विषय पढ़ना ज़रूरी था।
- किताबों में माता पिता के प्रति आदर, राष्ट्र के प्रति वफ़ादारी और अच्छे नागरिक बनने की प्रेरणा दी जाती थी।
- कांजी लिपि जापानियों ने चीनियों से छठी शताब्दी में ली।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- जापानियों ने दो वर्णमालाओं का विकास किया हीरागाना और कत्ताकाना।
- मेजी सरकार ने नया प्रशासनिक ढाँचा तैयार किया।
- जापानियों की संसद के लिए डायट शब्द का इस्तेमाल किया गया।
- मेजी संविधान सीमित मताधिकार पर आधारित था।
- डायट के अधिकार सीमित थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- 20 साल से अधिक उम्र के नौजवानों के लिए सेना में काम करना अनिवार्य हो गया।
- सख्त सेंसर व्यवस्था और राजनीतिक गुटों के गठन की देखरेख के लिए कानून व्यवस्था बनाई गई।
- सेना और नौकरशाही को सीधा सम्राट के निर्देश में रखा गया।
- सेना ने और इलाके जीतने के मकसद से मज़बूत विदेश नीति के लिए दबाव डाला।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इस वजह से चीन और रूस के साथ जंग हुई।
- दोनों में ही जापान विजयी रहा।
- जापान ने आर्थिक विकास और अपना औपनिवेशिक साम्राज्य कायम किया।
- जापान ने लोकतंत्र के प्रसार को कुचला और उपनिवेशीकृत लोगों के साथ टकराव का रिश्ता कायम किया।